तेंदुए का घर

कहानीः चन्दन यादव
चित्रः अमृता

स्तर 3

तेंदुए का घर
Tenduye ka Ghar

लेखन : चन्दन यादव

चित्र : अमृता

सम्पादकीय सहयोग : हीना परवीन

प्रथम संस्करण : 2023

मुद्रक :

लेआउट और डिजाईन : स्टेल्ला डिजाईन ऐंड प्रिंट

प्रकाशक :

लैंग्वेज ऐंड लर्निंग फाउंडेशन

डी – 26 , एन. डी. एस. ई. पार्ट – II

फ्रंट ग्राउंड फ्लोर , नई दिल्ली – 110049

फोन – 011-41092724

ISBN 978-81-957414-3-4

LLF Language and Learning foundation
Strong Foundation, Stronger Future

© Language and Learning Foundation

इस पुस्तक के सर्वाधिकार सुरक्षित हैं। प्रकाशक की लिखित अनुमति के बाद ही इस पुस्तक के किसी भी अंश का उपयोग किया जा सकता है।

बरसात में एक तेंदुए का पूरा परिवार भीग रहा था।

कठफोड़वा बोला- “भीगते रहे तो बच्चे बीमार हो जाएँगे। घर बना लो।” तेंदुए ने हामी भरी।

बच्चे उसे जाते देखते रहे।

वह घर बनाना सीखने चल पड़ा।

कई महीन आवाजें तेंदुए के कानों में पड़ीं-
“हमारा घर क्यों तोड़ रहे हो ?”

उसके पंजे से दीमकों का घर टूट गया था।

उसने पूछा- “ये आप लोगों का घर है?”

“तो तुम्हें क्या लगता है?”

“इसमें बरसात का पानी तो नहीं घुसता?”

“एक बूँद भी नहीं।”

तेंदुए ने सोचा- “घर बनाने के लिए मुझे बहुत- सी मिट्टी चाहिए होगी।”

पानी अभी भी बरस रहा था।

वह आम के पेड़ के नीचे रुका।

उसने पूछा- “ये आप लोगों का घर है?”

“तो तुम्हें क्या लगता है?”

“इसमें बरसात का पानी तो नहीं घुसता?”

“एक बूँद भी नहीं।”

तेंदुए ने सोचा- “घर बनाने के लिए मुझे एक पेड़ भर पत्ते भी चाहिए होंगे।”

वह आगे चला। पानी अभी भी बरस रहा था। “भीग क्यों रहे हो? ज़रा देर हमारे घर में रुक जाओ।” यह एक लोमड़ी थी।

तेंदुए ने पूछा- “ये आप लोगों का घर है?”

“तो तुम्हें क्या लगता है?”

“इसमें बरसात का पानी तो नहीं घुसता?”

“एक बूँद भी नहीं।”

तेंदुए ने सोचा- “घर बनाने के लिए मुझे एक बड़ा-सा पहाड़ भी चाहिए होगा।”

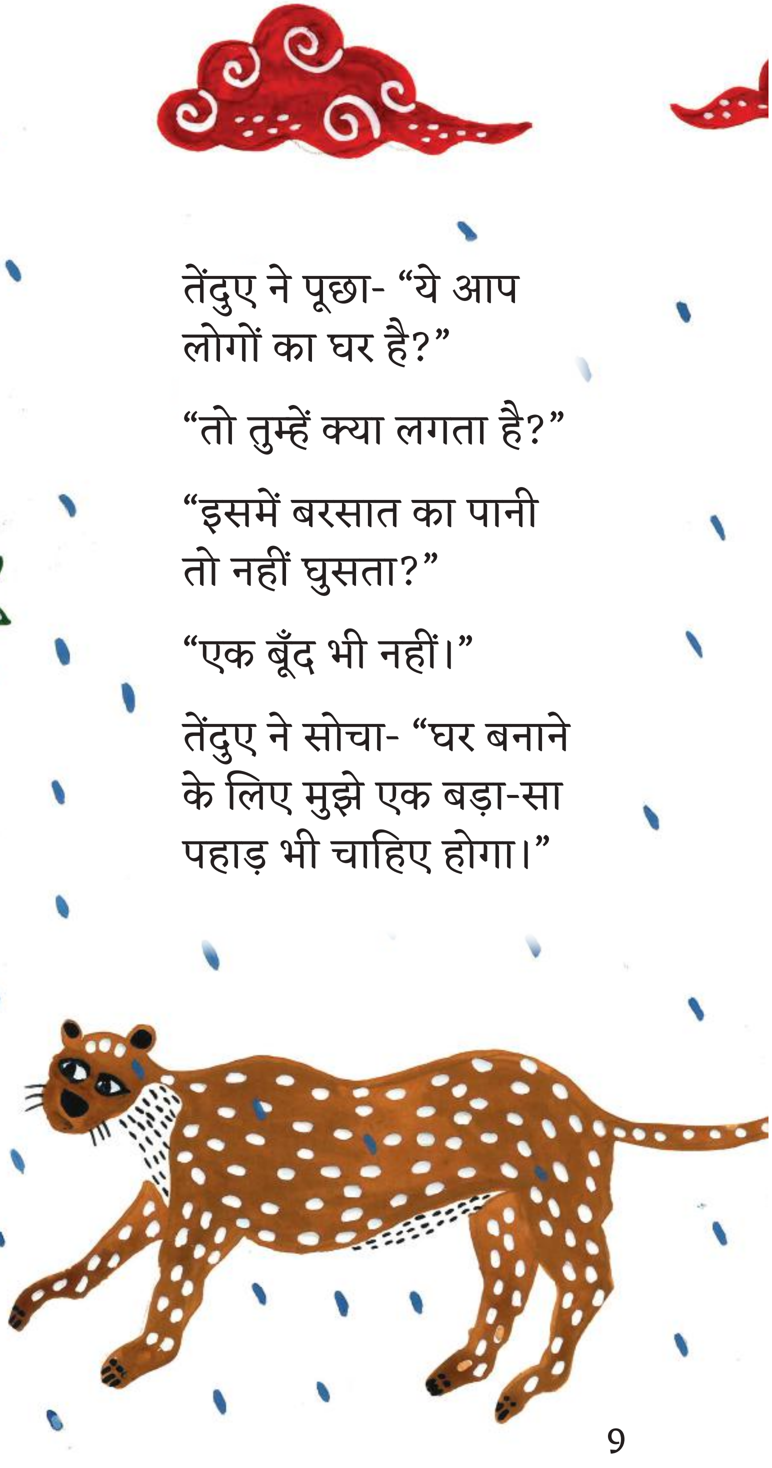

अब तेंदुए के पास घर बनाने के कई तरीके थे।
वह अपने परिवार के पास लौटने के लिए चल पड़ा।

घर पहुँचकर उसने कहा - “अब हम भी अपना घर बनाएँगे।”

बरसात धीमी होने लगी थी।

एक बच्चे ने पूछा - “घर बनाने के लिए हमें क्या-क्या चाहिए होगा?”

तेंदुआ बोला - “बहुत सारी मिट्टी!”

“और?”..........

एक पेड़ भर पत्ते।

“और?”...

एक छोटा पहाड़।

अब बरसात बंद होने वाली थी।

जब एक बच्चे ने पूछा - “हम घर बनाना कब से शुरू करेंगे?”

बरसात बंद हो चुकी थी।

तेंदुए ने साफ खुले आसमान को देखा और कहा - “अगले साल, बरसात शुरू होने से पहले।”

ऐसी बरसात जिसमें तेंदुए का पूरा परिवार भीग रहा है। किसी ने सलाह दी और तेंदुआ निकल पड़ा घर बनाने की तलाश में। ताकि वह अपने बच्चों को बारिश से बचा सके। घर बनाने के लिए वह मिला चींटी से, दीमक से और पता नहीं किन-किन से। मगर, क्या वह अपना घर बना पाएगा। क्या वह अपने बच्चों को बारिश से बचा पाएगा? चलो, तेंदुए की इस तलाश में हम भी शामिल हो जाते हैं और पढ़ते हैं कहानी 'तेंदुए का घर'।

लैंग्वेज ऐंड लर्निंग फाउंडेशन (LLF) बच्चों में बुनियादी साक्षरता कौशल और पढ़ने की आदत के विकास के लिए कार्य करता है और इसी क्रम में बच्चों के लिए विविध प्रकार के बाल साहित्य की उपलब्धता पर ज़ोर देता है। पढ़ना सीख रहे बच्चों के लिए रोचक चित्रों के साथ बना बाल साहित्य उनके पढ़ने सीखने के सफ़र में गति उत्पन्न करता है। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए LLF, 5-9 साल के बच्चों के लिए उपयुक्त और रोचक बाल साहित्य की रचना कर रहा है जिसके तहत कहानी की किताबें विकसित की जा रही हैं।

LLF द्वारा प्रकाशित किताबें 5 से 9 साल तक के बच्चों को ध्यान में रखते हुए इन 3 स्तरों में रखी गई हैं।

स्तर 1

उन बच्चों के लिए जिन्होंने अभी-अभी पढ़ना शुरू किया है। इस स्तर की किताबों में रोचक चित्रों के साथ कुछ सरल शब्द या वाक्य होते हैं जिन्हें बच्चे आसानी से पढ़ सकते हैं। ऐसी किताबें बच्चों में पढ़ने के प्रति रुचि पैदा करने में महत्वपूर्ण हैं।

स्तर 2

उन बच्चों के लिए जो छोटे और सरल वाक्य पढ़ना सीख चुके हैं मगर अभी पढ़ने में निपुण नहीं हैं। इस स्तर की किताबों में बड़े और छोटे दोनों ही प्रकार के चित्रों के साथ सरल वाक्य होते हैं। ऐसी किताबें बच्चों को खुद से और किताबें पढ़ने के लिए प्रेरित करती हैं।

स्तर 3

उन बच्चों के लिए जो छोटे पाठ आसानी से पढ़ सकते हैं। इस स्तर की किताबों में चित्रों के साथ कई वाक्य एक साथ लिखे हो सकते हैं। इन किताबों में पात्रों और घटनाओं की संख्या अपेक्षाकृत अधिक होती है। ऐसी किताबें बच्चों को उनके सोचने समझने के दायरे विस्तृत करने में मदद करती हैं।

इस किताब को BMGF द्वारा दिए गए वित्तीय सहयोग से विकसित किया गया है।

LLF Language and Learning foundation
Strong Foundation, Stronger Future